

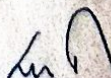
भाग 2 प 15 का सार

जायगी पर 370 आदि 12 8 एच आर एच

कानवली आस फिनक 911112) को प्रशासनिक के  
 सग आसीपान लाडपुरा पर प्रस्तुत है। प्राणी  
 से सुना गण प्रापना अण परा 12 8 एच आर एच  
 एच 20 के संक्षेप में तब इस प्रकार है कि प्राणीगण  
 की तबहा अदिपत्त न खातेदारी हो <sup>1</sup> भूमि व्यवसा  
 साध्या - 4 आण खण 1 8 2 एक वा 2 विस्वा 14 विजा  
 खण न 1 8 4 एक वा 2 विस्वा खण न 1 9 0 एक वा 5 विस्वा  
 खण न 1 9 1 एक वा 6 विस्वा 7 विस्वा खण न 1 9 7  
 एक वा 4 विस्वा 1 6 विस्वा कुल कितना - 5 एक वा 14 कवा  
 4 विस्वा कवा खाला - 3 खण न 1 8 5 एक वा 3 विस्वा  
 खण न 1 8 6 एक वा 11 विस्वा कुल कितना - 2 एक वा  
 14 विस्वा बरके ग्राम ला खन ए परवा ए हक कोडयका  
 कु अमिपेण कितो डेवली तरली लालसोट से  
 स्थित है। प्राणीगण की खातेदारी भूमि का सखल  
 रिकार्ड नरमा डेल से सुताकि ककवा प्रकाश 2 2 1 8  
 हो रही है। इसलिये प्राणीगण सुताकि तरमीस  
 अपनी खातेदारी भूमि का सीमाज्ञान कवा कटअके  
 को कोट पत्त 2 2 1 8 ककना खाहा है मयोंकि  
 आरजीपार का सीमाज्ञान नहीं होये के कारण

  
 मिश्री  
 अरजीप

प्राणीगण के प्रडोसी खातेदारी अ प्राणीगण से सीमा  
 वाकल विवाद करने रहते है। परीदिनाय मुखसमत  
 देन होकर अह प्रापना पर प्रस्तुत करना लाजमी आया।  
 तत्पश्चात् प्रकरण दर्ज रजिस्टर  
 कवाया गया तबही अ प्राणी की गड अ प्राणी अ-1  
 इलप पेण होकर तबही लालसोट है। प्रकरण का  
 एक प्रकरण पर उपलब्ध कस्तावेज का अवलोकन  
 कितानिहामे प्राणीगण द्वारा अकुरु अ प्राणी अ-1  
 12 8 पत्त 2 2 1 8 कवीपत्त किये जाने गये है।  
 अतः प्राणी आस अह प्रापना पर खीक  
 निष्पत्त है। तबही लालसोट को आदेगदि

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 लालसोट जिला दोसा (राज)

